झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी की त्रैमासिक पत्रिका.....

आजीविका संवाद

महिला दिवस विशेषांक

समूह से समृद्धि की ओर ...

झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आजीविका महिला महासम्मेलन का आयोजन किया । रांची के धुर्वा स्थित फुटबाल स्टेडियम में करीब 15 हजार से ज्यादा ग्रामीण महिलाओं ने इस कार्यक्रम में शिरकत की । आजीविका महिला महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में झारखण्ड के मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास, विशिष्ट अतिथि, महिला एवं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लुईस मरांडी उपस्थित थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री नीलकंठ सिंह मुण्डा ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधान सचिव, ग्रामीण विकास श्री एन एन सिन्हा के नेतृत्व में ग्रामीण विकास विभाग एवं झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी की टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

समूह से समृद्धि की ओर...

झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी ने गांव में महिलाओं के जीवन में हुए बदलाव और गांव को बदलने में महिलाओं की भूमिका से जुड़ी कई कहानियों को संजोया है, 8 मार्च को रांची के धुर्वा में झारखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने पहला राज्य स्तरीय महिला महासम्मेलन का आयोजन किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपनी किस्मत को संवार रही बुलंद हौसलों, फौलादी इरादों और धारा के विपरीत तैरने की क्षमता रखने वाली महिलाओं से सभी को रूबरू कराना था। पूरे राज्य से करीब पंद्रह हजार से ज्यादा ग्रामीण महिलाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। धुर्वा के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में टोपी पहनी हुई हजारों की तादाद में महिलाएं अनुशासित रूप से अपने प्रिय मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास के स्वागत के लिए उपस्थित थी।

आजीविका महिला महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में श्री रघुवर दास, समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लुईस मरांडी, ग्रामीण विकास मंत्री श्री नीलकंठ सिंह मुण्डा एवं ग्रामीण विकास के प्रधान सचिव श्री एन एन सिन्हा मौजूद थे। हजारों की तादाद में सुदूर गांव से आई महिलाओं के चेहरे पर अपने मुख्यमंत्री से मिलने की खुशी साफ दिख रही थी। कार्यक्रम की शुरूआत में आजीविका मिशन के तहत समूह से जुड़कर अपनी जिंदगी को बदल चुकी सारंडा की भालंती ने अपनी कहानी से ये बताया कि कैसे उसके जैसी सैकड़ों महिलाएं समूह से जुड़कर सारंडा में समृद्धि की ओर आगे बढ़ रही हैं।

भालंती देवी, सारंडा – ''इंटरनल सीआरपी के रूप में दूसरे गांवों में जाकर महिलाओं को अपनी कहानी बताकर समूह में जोड़ने एवं प्रशिक्षण देने का काम करते हुए आज कम्युनिटी कॉर्डिनेटर के पद तक पहुंची, मुझे उम्मीद है की जैसे मेरा परिवार गरीबी के चंगुल से बाहर निकला है वैसे ही जल्द से जल्द पूरा झारखण्ड गरीबी मुक्त होगा।''

सीमा सिंह मुण्डा, पशु सखी अनगड़ा – "मैं आज पशु सखी के रूप में अनगड़ा के गांवों में अपनी सेवाएं दे रही हूं, आजीविका मिशन न होता तो आज मैं पशु नर्स का काम न कर रही होती, मुझे तो सूई देखने से डर लगता था, टीकाकरण तो बड़ी बात है। समूह में जुड़कर मेरे हालात ने करवट ली और मैं आज अपने बच्चों को भी पढ़ा रही हूं।"

झारखण्ड के मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास के लिए इससे अच्छा महिला दिवस का तोहफा क्या हो सकता था, राज्य के हर कोने से महिलाएं खुद मुख्यमंत्री जी को महिला दिवस की बधाई देने पहुंची थी। श्री रघुवर दास ने महिलाओं को संबोधित करते हुए महिला दिवस की बधाई दी एवं आजीविका मिशन के तहत समूह से जुड़कर उनकी जिंदगी में जो बदलाव हुआ है उसकी तारीफ की। मुख्यमंत्री श्री रघुवर दस ने आजीविका महिला महासम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पैसे के अभाव में बेटियों की पढ़ाई अधूरी नही रहने दी जाएगी। बेटियों को पढ़ाने में सरकार पूरी मदद करेगी, हमारी सरकार का ये नारा है पहले पढ़ाई फिर विदाई। श्री दास ने चिंता जताते हुए कहा कि अशिक्षा विकास में सबसे बड़ी बाधक है, बेटी के पढ़ने से दो परिवार में संस्कार आते हैं।

मुख्यमंत्री श्री दास ने हजारों महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा अधिकार मिले, इसलिए सरकार ने इस वर्ष महिला सशक्तिकरण के लिए अलग से जेंडर बजट भी पेश किया है। महिला सशक्तिकरण को सरकार की प्राथमिकता में बताते हुए श्री दास ने कहा कि कुल बजट का 43 फीसदी महिलाओं के विकास से जुड़ी योजनाओं पर खर्च किया जाएगा। महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को तोहफा देते हुए श्री रघुवर दास जी ने ग्राम संगठन एवं क्लस्टर संगठन के कार्यालय के लिए फेजवाइज तरीके से भवन उपलब्ध कराने की बात कही। आदिवासी महिलाओं के स्वयं सहायता समूह को एक-एक लाख रुपये देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी की टीम की सराहना करते हुए कहा कि राज्य भर में अभी 36000 स्वयं सहायता

आजीविका महिला महासम्मेलन : उद्देश्य

- महिला महासम्मेलन का उद्देश्य महिला स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन एवं फेडरेशन की महिलाओं को एक-दूसरे से सीखने एवं ज्ञानवर्धन का मंच ।
- गांव की महिलाएं एवं महिला संगठन को पुरस्कृत करना जिन्होने धारा के विपरित तैरकर अदम्य इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए गरीबी उन्मुलन एवं गांव में सकारात्मक बदलाव की नींव रखी हो ।
- राज्य भर के स्वयं सहायता समूह एवं महिलाओं की अन्य संस्थाओं के प्रगति और गांव के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों से रूबरू कराना ।
- महिलाओं से जुड़े मुद्दे, उनकी हकदारी एवं आजीविका के साधन का प्रतिपालन।
- समाज के हर तबके के लोग एवं खासकर साझेदार जैसे पंचायती राज्य संस्थाएं, जनता के प्रतिनिधि एवं शासन-प्रशासन को महिलाओं के सामुदायिक संस्थाओं के क्रियाकलापों से अवगत कराना एवं नए अवसरों को खोजने के लिए एक मंच उपलब्ध कराना।
- गांव में बदलाव के लिए इन संस्थाओं के तहत किए जा रहे सामाजिक कार्यों एवं विकास के लिए उठाए गए कदम का प्रचार-प्रसार ।
- ग्रामीण महिलाओं एवं गांव की समस्याओं से सरकार को अवगत करना।

समूह है मुझे उम्मीद है कि अगले महिला दिवस तक 72000 हो जाएगे, इसी लक्ष्य के साथ हमें काम करने की जरूरत है ।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं से अह्वान करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह की बहनों को सामाजिक कुरितियों पर काम करने की जरूरत है, नशाखेरी, डायन प्रथा को खत्म करने के लिए आप काम करें ।

इस मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री श्री नीलकंठ सिंह मुण्डा ने कहा कि हमें जल्द से जल्द गांव की हर महिला को समूह से जोड़ना है ताकि उनकी आजीविका में सुधार किया जा सके । समाज कल्याल मंत्री श्रीमती लुईस मरांडी ने कहा कि आजीविका मिशन ने ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के जीवन में काफी बदलाव लाया है, हम सब बहने आज ये संकल्प लें कि बेटी को पढ़ाएंगे ।

ग्रामीण विकास के प्रधान सचिव श्री एन एन सिन्हा ने बदलाव की वाहक ग्रामीण महिलाओं के उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बदलते गांव और महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला । श्री सिन्हा ने महिलाओं को ग्राम संगठन के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की बात कही । कार्यक्रम के अगले पड़ाव में मुख्यमंत्री के हाथों सुदूर गांव से आई महिलाओं को सम्मानित किया गया । मुख्यमंत्री ने जिलावार बेस्ट समूह, ग्राम संगठन एवं सामुदायिक चैंपियन महिलाओं को सम्मानित किया ।

पाकुड़ के महेशपुर से आई एक समूह सदस्य ने बताया कि आज हम जो कुछ भी है समूह की वजह से ही है, हमारा राज्य इतना सुन्दर है ये आज मैंने देखा, समूह से जुड़ने से पहले मुझे ये भी अंदाजा नही था कि मेरे पड़ोस में कौन रहता है।

गिरिडीह के बेंगाबाद से आई समूह की बुक कीपर दिव्यांग नीतू ने बताया कि सरकार को आजीविका मिशन जैसे कार्यक्रम चलाने के लिए बधाई और मैं

मुख्यमंत्री से अग्रह करना चाहती हूं कि वो एक दिन हमारे समूह की बैठक में जरूर भाग लें ताकी उनको ये पता चल सके कैसे हम बहने गरीबी मात देने के लिए मेहनत कर रहे है ।

हजारों की तादाद में आई महिलाएं अपने मुख्यमंत्री की झलक पाकर खुश थी, रांची के गेतलसूद से आई उमा बताती है कि हमारे मुख्यमंत्री जी तो हमारे गांव भी आए थे, ये पहली बार था जब हमारे गांव में कोई मुख्यमंत्री आया था, मुझे लगता है कि जैसे आजीविका मिशन से हमारे जीवन में बदलाव आया है वैसे ही अब राज्य भी बदलेगा ।

महिला दिवस के दिन हजारों की तादाद में जुटी इन ग्रामीण महिलाओं ने ये एहसास करा दिया कि अब बदलता झारखण्ड सिर्फ नारा नहीं है ये झारखण्ड के हालात का परिचायक है । ये महिलाएं आज दोहरी भूमिकाएं निभा रही है एक ओर जहां समूह से जुड़कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं वही समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए ग्राम विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है । बदलते झारखण्ड की प्रतिक ये महिलाएं आजीविका मिशन के सपने को साकार कर रही है ।

राज्य स्तरीय आजीविका महिला महासम्मेलन गांव की महिलाओं को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराने का प्रयास है जहां से वो अपनी बात, समस्या एवं सुझाव को सरकार एवं हर साझेदार तक पहुंचा सकती है । यह प्रयास है बदलाव की वाहक महिलाओं को प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत कर गरीबी से बाहर निकालने के लिए प्रयासरत अन्य महिलाओं के हौसलों को पंख देने का । महिला स्वयं सहायता समूह एवं ग्राम संगठन के सदस्यों को केन्द्र में रखकर आयोजित की गई महिला महासम्मेलन में राज्य के हर कोने से महिलाओं ने भाग लिया ।

विश्व बैंक की टीम ने लिया जायजा –
विश्व बैंक की टीम के सदस्यों ने रांची परियोजना क्षेत्र का भ्रमण किया । मसूद मोजाम्मिल, संचार विशेषज्ञ, विश्व बैंक एवं श्री कमलेश प्रसाद, झारखण्ड प्रतिनिधि ने राज्य में आजीविका मिशन के तहत चल रहे कार्यों का जायजा लिया । विश्व बैंक की टीम का मुख्य उद्देश्य मिशन के संचार से जुड़े कार्यों को देखना था । आजीविका मिशन के तहत शुरू किए गए संचार से जुड़े पहल की बारीकियों को टीम ने समझा, सराहा और सुझाव दिए । आजीविका कला जत्था के द्वारा राज्य में चल रहे जागरूकता कार्यक्रम और मोबाईल एडवाइजरी सर्विस की टीम ने सराहना की ।
इस फिल्ड भ्रमण के दौरान अनगड़ा में आयोजित बैंक लिंकेज कैंप में भी विश्व बैंक की टीम ने भाग लिया और ऐसे आयोजन को समय की जरूरत बताया । विश्व बैंक की टीम ने गोट रिसोर्स संेटर, क्लस्टर लेवल फेडरेशन, ग्राम संगठन के सदस्यों से मुलाकात की और परियोजना की गतिविधियों को करीब से महसूस किया ।

इंटरनल सीआरपी के लिए संचार प्रशिक्षण –
नॉलेज मैनेजमेंट एवं कम्यूनिकेशन सेल के तत्वाधान में चाईबासा जिले के करीब 200 इंटरनल सीआरपी को प्रभावी संचार विषय पर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया । यह प्रशिक्षण गांव की सीआरपी दीदी को सीआरपी ड्राइव में आने वाली दिक्कतों, उनके बोलचाल एवं केस स्टडी सुनाने के तरीके को और अच्छा करने हेतु प्रशिक्षिण दिया गया । संचार के दस सूत्र के माध्यम से इस प्रशिक्षण में उनको बताया गया कि कैसे हम अपनी बातचीत को, दूसरों को प्रशिक्षण देते समय अपने संचार कौशल को बेहतर कर सकते हैं । इस प्रशिक्षण में भाग लेने वाली इंटरनल सीआरपी ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को बहुत जरूरी बताया । प्रशिक्षण के बाद पश्चिमी सिंहभूम की इंटरनल सीआरपी मीना देवी ने बताया कि सीआरपी ड्राइव के दौरान जितनी भी परेशानियों का सामना करना पड़ता था उससे छुटकारा मिलेगा । इस प्रशिक्षण के दौरान संचार के अलग–अलग माध्यमों एवं बोलचाल के तरीकों के बारे में सहभागी गेम के माध्यम से उनको प्रशिक्षित किया गया ।

डायन प्रथा एवं महिला तस्करी के खिलाफ अभियान – झारखण्ड राज्य के 6 जिलों में झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी एवं हिन्दुस्तान मीडिया ने मिलकर डायन प्रथा एवं महिला तस्करी के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया । दो महीने लंबे इस जागरूकता अभियान में नुक्कड़ नाटक, चाय चौपाल के जरिए गांव के लोगों को डायन प्रथा के खिलाफ संदेश देने का काम किया तो वहीं महिला तस्करी के दलालों से गांव के लोगों को सावधान रहने के लिए जागरूक किया । डायन प्रथा एवं महिला तस्करी के खिलाफ जागरूकता रथ को माननीय मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री संजय कुमार ने रवाना किया । एक ओर जहां जागरूकता रथ एवं आजीविका कला जत्थ की टीम गांव–गांव में घूम कर नुक्कड़ नाटक व प्रचार रथ के जरिए लोगों तक डायन प्रथा एवं महिला तस्करी से जुड़ी जानकारी पहुंचा रहे थे वहीं दूसरी तरफ महिला संगठनों के साथ चाय–चौपाल का आयोजन कर इन सालों पुराने रूढ़ीवादी मान्यताओं और झारखण्ड की प्रमुख समस्या महिला तस्करी पर चर्चा की गई । इस चर्चा को घर–घर तक पहुंचाने में हिन्दुस्तान अखबार ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की । आजीविका मिशन के परियोजना क्षेत्र में करीब 70 संकुल में चाय चौपाल आयोजित की गई । झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी गांव में महिलाओं का संगठन बनाकर उनके समक्ष आने वाली हर तरह की कठिनाईयों से लड़ने में भी उन्हें सक्षम बना रहा है । इस कड़ी में समय–समय पर कई मुदों के उपर नुक्कड़ नाटक एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहा है ।

अपराजिता
जो बनी दूसरों के लिए प्रेरणा

झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसोईटी और प्रभात खबर ने गांव की महिलाओं को उनके हक, गावं के लिए बनी योजनाओं से अवगत कराने एवं जागरूकता के लिए प्रेरणा रथ नामक मोबाईल वैन के जरिए सुदूर गांवों में एक महीने का अभियान चलाया और उन गांव की गतिविधियों को खबर के माध्यम से हजारों लोगों तक पहुंचाया।

गांव के लोगों को स्वच्छता और झारखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वच्छ गांव-स्वस्थ गांव के नारे से जोड़ा गया साथ ही स्वच्छता से संबंधित जानकारी दी गई। इस कैंपेन के दौरान प्रभात खबर की टीम को आजीविका मिशन के तहत बने स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन एवं क्लस्टर संगठन का भी साथ मिला, इन संगठनों ने अपने इलाके की जरूरत के मुताबिक कार्यक्रम को क्रियान्वित किया। जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य सुदूर गांव की आखिरी महिला को स्वयं सहायता समूह के फायदे के बारे में जागरूक करना एवं दायरे में लाना था। इस मिशन में प्रेरणा रथ बहुत हद तक कामयाब रहा। इस जागरूकता अभियान के दौरान आजीविका मिशन से जुड़कर अपनी जिंदगी को संवार रही ग्रामीण गरीब महिलाओं की कई कहानियों को संजोया है जो दूसरों के लिए मिसाल है। प्रभात खबर ने इन कहानियों को प्रकाशित कर लाखों लोगो तक इनको पहुंचाया।

प्रेरणा रथ के माध्यम से गांव की महिलाओं को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना, योजना बनाओ अभियान, गांव में स्वच्छता और कई सामाजिक कुरीतियों पर जागरूकता के साथ चर्चा भी आयोजित की गई। प्रेरणा रथ को माननीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री नीलकंठ सिंह मुण्डा ने रवाना किया था। ग्रामीण विकास विभाग का विश्वास है कि अगर एक महिला सशक्त होगी तो एक परिवार समृद्ध होगा और परिवार की समृद्धि से ही गांव और राज्य को समृद्ध बनाया जा सकता है।

प्रेरणा रथ राज्य के अति पिछड़े जिलों सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, गुमला, लोहरदगा, खूंटी, सरायकेला खरसांवा, पूर्वी सिंहभूम की ग्रामीण महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़ने की एक पहल थी। प्रेरणा रथ के माध्यम से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के परियोजना क्षेत्र के 100 से ज्यादा जगहों पर कला जत्था टीम के माध्यम से लघु कार्यक्रम का मंचन कर ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के लाभ के बारे में बताया गया। फरवरी माह में शुरू किए गए इस कैंपेन के दौरान पहले दो हफ्ते योजना बनाओ अभियान के बारे में जागरूकता अभियान चलाया गया। वहीं कौशल प्रशिक्षण के तहत गांव के बेरोजगार युवक-युवतियों को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना की जानकारी गांवों में दी गई।

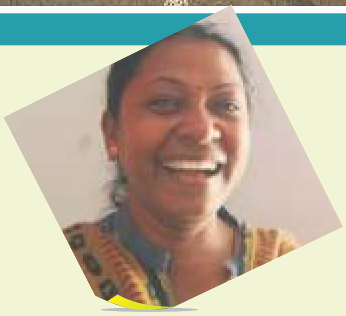

शिमला बानरा, खूंटपानी, चाईबासा – "आजीविका मिशन के तहत मुझे व्यापार साथी का प्रशिक्षण दिया गया, आज मैं अपने इलाके की समूह सदस्यों को व्यापार के गुर सीखाती हूं, साथ ही मैं अपना बिजनस भी कर रही हूं। धन्यवाद मेरे समूह का जिसने मुझे हौसला दिया।"

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को अपराजिता सम्मान :-

प्रभात खबर ने झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी द्वारा संपोषित स्वयं सहायता समूह की 15 चुनी हुई सदस्यों को अपराजिता सम्मान से नवाजा । इस सम्मान समारोह में राज्य भर से 32 महिलाओं को चुन कर पुरस्कृत किया गया जिसमें से आजीविका मिशन के तहत अपने प्रखण्ड या गांव में बदलाव की नायिका बनकर उभरी 15 महिलाएं शामिल थी । इन महिलाओं में इंटरनल सीआरपी, टैबलेट दीदी, पशु सखी, आजीविका कृषक मित्र, व्यापर साथी, लाह सीआरपी, कम्युनिटी कॉर्डिनेटर के रूप में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने और अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति व साहस से मुकाम हासिल करने वाली महिलाओं को मिला सम्मान ।

20 मार्च को रांची में आयोजित अपराजिता सम्मान समारोह में महिला आईएएस से लेकर गांव की इन चेंजमेकर्स महिलाओं को एक प्लेटफॉर्म पर सम्मानित किया गया । राज्य की प्रथम महिला महामहिम राज्यपाल माननीय श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने गांव की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी इन महिलाओं को सम्मानित किया । राज्यपाल महोदया ने ग्रामीण विकास विभाग के झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी को महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करने के लिए बधाई दी । महामहिम श्रीमती द्रोपदी ने कहा की यह एक अच्छी पहल है जहां हम आम एंव खास महिलाओं को चुनकर एक मंच पर सम्मानित कर रहे हैं, ग्रामीण महिलाओं में प्रतिभा की कोई कमी नही है, जरूरत है उचित मार्गदर्शन की, ये महिलाएं इस बात को साबित करती हैं ।

ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव श्री एन एन सिन्हा ने लोगों से आग्रह किया कि इस सम्मान समारोह में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी अलग-अलग जिलों के सुदूर गांवों की 15 महिलाएं सम्मानित हो रही है जो अपने-अपने गांव-प्रखण्ड में आजीविका मिशन से जुड़कर मिसाल बन चुकी है । यह सम्मान इन महिलाओं को गांव के विकास और सामाजिक कुरितियों के खिलाफ काम करने के लिए उत्साहित करेगा । इस अनूठे पहल के लिए श्री सिन्हा ने झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी परिवार एवं प्रभात खबर को धन्यवाद दिया ।

सारंडा से सम्मान लेने आई एक महिला ने सम्मान समारोह के बाद कहा कि ऐसा है हमारा झारखण्ड ये हमने सपने में भी नहीं सोचा था, एक साल पहले तक सपने में भी नहीं सोचे थे कि सारंडा के जंगल से बाहर भी हम कभी निकल पाएंगे ।

वहीं व्यापार साथी के रूप में काम कर रही शिमला बानरा ने बताया की इस सम्मान के बाद हमारी जिम्मेदारी और बढ़ गई है । राज्यपाल मैडम से सम्मानित होना मेरे लिए गर्व की बात है और हम अपने गांव के विकास के लिए जी तोड़ मेहनत करेंगे ।

झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी की 15 अपराजिताएं इस कार्यक्रम में सम्मानित हुई ।

सामुदायिक चैंपियन्स का सम्मान

व्यापार साथी के रूप में काम कर रही शिमला बानरा को सम्मान ।

आजीविका मिशन से जुड़कर मिसाल बनी महिलाओं को सम्मान ।

डिजिटल इंडिया की तर्ज पर डिजिटल समूह व गांव के सपने को साकार करती टैबलेट दीदी

महामहिम राज्यपाल के हाथों सम्मान लेती आजीविका मिशन से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की सदस्य ।

प्रधानमंत्री कृषि संचाई योजना

प्रति बूंद-अधिक फसल हर खेत को पानी

◆ **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना क्या है ?**

माननीय प्रधानमंत्री की पहल पर केन्द्र सरकार ने हर खेत को पानी के लक्ष्य के साथ प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की शुरूआत की है। इसके तहत देश के हर जिले में समस्त खेतों तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाने की योजना है। इस योजना को लागू करने की जिम्मेवारी कृषि मंत्रालय के साथ-साथ ग्रामीण विकास मंत्रालय और जल संसाधन मंत्रालय को दी गई है। इसके तहत देश में सभी कृषि फार्म में संरक्षित सिंचाई की पहुंच को सुनिश्चित किये जाने का प्रयास किया जायेगा ताकि प्रति बूंद-अधिक फसल उत्पादन किया जा सके।

◆ **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत कौन-कौन से कार्य किये जायेगें ?**

इस योजना में नये जल स्रोतों का निर्माण, पुराने जल स्रोतों को ठीक कर कारगर बनाना, जल संचयन के साधनों का निर्माण, अन्य छोटे भंडारण, भूजल विकास, ग्रामीण स्तर पर राज्यों के परम्पारागत जल तालाबों आदि की क्षमता बढ़ाने जैसे कार्य काराये जायेंगे । इसके अतिरिक्त जहां सिंचाई स्रोत उपलब्ध है अथवा निर्मित है उनके वितरण नेटवर्क का विस्तारवृद्धि करना भी शामिल है। इस योजना में पानी के दक्षतापूर्ण परिवहन को बढ़ावा देने हेतु उपकरणों जैसे भूमिगत पाईप प्रणाली, पीवोट, रेनगन और अन्य उपकरणों आदि को प्रोत्साहित करना भी शामिल है।

सरकार ने उपलब्ध पानी की मात्रा को फव्वारा और बूंद-बूंद सिंचाई विधियों का प्रयोग करने का लक्ष्य रखा है। जिससे उपलब्ध पानी की मात्रा से ही 30-40 प्रतिशत अतिरिक्त खेतों की सिंचाई की जा सकेगी। इसके अलावा जिन क्षेत्रों में भूमिगत पानी की उपलब्धता है। वहां पर नलकूप लगा कर सिंचाई को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। केन्द्र सरकार ने इस योजना के लिए वर्ष 2016-17 के लिए रु॰ 5717.13 करोड़ का प्रावधान किया है। इसके अतिरिक्त इस वर्ष नाबार्ड के माध्यम से लगभग रु॰ 20000 करोड़ का सिंचाई फण्ड सृजित करने का फैसला किया गया है।

◆ **इस योजना का कार्यान्वयन कौन-कौन मंत्रालय करेंगे तथा इसके सुचारू रूप से संचालन के लिए इनके बीच कैसे सामंजस्य होगा ?**

इसके लिए एक राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति (एनईसी) नीति आयोग के वाइस चेयरमैन की अध्यक्षता में गठित की गयी है जो की कार्यक्रम कार्यान्वयन, संसाधनों के आवंटन, अंतर-मंत्रालय समन्वय, निगरानी और मूल्याकन आदि कार्य करेगी । इसके अतिरिक्त माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) संबंधित केन्द्रीय मंत्रियों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम की निगरानी करेगी।

◆ **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में क्या-क्या कार्यक्रम घटक है?**

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में निम्नलिखित कार्यक्रम घटक है -

क. त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीवी) के माध्यम से राष्ट्रीय परियोजनाओं सहित जारी मुख्यन और मध्यम सिंचाई की गति की पूर्णता पर फोकस करना।

ख. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (हर खेत को पानी) के माध्यम से लघु सिंचाई (सतही और भूमिगत जल दोनों) के माध्यम से नये जल स्रोतों का निर्माण, जल संग्रहणों की मरम्मत, सुधार ओर नवीकरण, पराम्परागत स्रोतो की वहन क्षमता का मजबूतीकरण, जल संचयन संरचनओं का निर्माण, कमांड एरिया विकास, खेत से स्रोत तक वितरण नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण और मजबूतीकरण, खाली क्षेत्रों में भूजल विकास, उपलब्ध संसाधनों जिनकी क्षमता का पूर्ण दोहन, विभिन्न स्थानों के स्रोतों से जहां कम पानी के अधिक क्षेत्र आस-पास हो में जल विचलन, सिंचाई कमांड के सम्बद्ध में वाटर शेड और मनरेगा के अलावा अपेक्षा को पूरा करने के लिए न्यून प्रवाह पर जल तालाब/नदी से लिफ्ट सिंचाई। परंपरागत जल भंडारण प्रणालियों जैसे जल मंदिर, खतरी, कुहल, जेबोय, इड़ी, ओरेनिसय डोंग कतास, बंधा आदि का व्यवहार्य स्थानों पर निर्माण और पुरूद्धार।

ग. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (प्रति बूंद अधिक फसल) के माध्यम से कार्यक्रम प्रबंधन, राज्यों/जिलों सिंचाई की तैयारी, वार्षिक कार्य योजना का अनुमोदन, मूल्याकन आदि। प्रभावी जल परिवहन और फार्म के भीतर क्षेत्र अनुप्रयोग उपकरणों यथा भूमिगत पाइप प्रणाली, पीवोट, रेनगन (जल सिंचन) का प्रोत्साहन, लाइनिंग (हर खेत को पानी), प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई

योजना (पनधारा) और मनरेगा के तहत सहायता नहीं दी जाती, को टयूबवेल और डबवेल (ऐसे क्षेत्रों में जहां भूजल उपलब्ध है और विकास की अर्द्घ/महत्वपूर्ण/अति दोहन के तहत नहीं है) सहित पूरक स्रोत निर्माण गतिविधियों के लिए सूक्ष्म सिंचाई संरचना का निर्माण। अत्यधिक उपलब्धता (वर्षा मौसम) के समय नहर प्रणाली के अंतिम मुहाने पर द्वितीयक भंडारण संरचना अथवा प्रभावी ऑन फार्म जल प्रबंधन के माध्यम से शुल्क अविध के दौरान बारहमासी स्रोतों जैसे माध्यमों से जल भंडारण। पानी ले जाने वाले पाईपों, भूमिगत पाइप प्रणाली सहित पानी, खींचने वाले उपकरणों जैसे डीजल/इलेक्ट्रिक/ सौर पम्प सीट। वर्षा और न्यूनतम सिंचाई आवश्यता (जल संरक्षण) सहित उपलब्ध जल के अधिकतम उपयोग के लिए फसल संयोजन सहित वैज्ञानिक आर्दता संरक्षण और कृषि विज्ञान उपायों के प्रोत्साहन के लिए विस्तार गतिविधियां।

घ. प्रधनमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पनधारा विकास) के माध्यम से आवाह जल और उन्नत मृदा और आर्दता संरक्षण गतिवधियों जैसे रिज क्षेत्र उपचार निकासी लाईन उपचार वर्षा जल संचयन, स्वस्थ आर्दता संरक्षण और पनधारा आधार पर अन्य संबंद्ध गतिविधियों जैसे रिज क्षेत्र उपचार निकासी लाईन उपचार वर्षा जल संचायन, स्वस्थ आर्दता संरक्षण और पनधारा आधार पर अन्य संबंद्ध गतिविधियों का प्रभावी प्रबंधन, परम्परागत जल तालाबों के नवीकरण सहित चिन्हित पिछड़े वर्षा सिंचित ब्लॉकों में पूरी क्षमता हेतु जल स्रोतों के निर्माण के लिए मनरेगा के साथ अभिसरण।

- **इस योजना से किसानों को क्या-क्या फायदें हैं ?**

  किसान इस योजना के अंतर्गत अपने खेतों में छोटे तालाब, सूक्ष्म सिंचाई के साधन जेसे फव्वारा (स्प्रिंकलर) सिंचाई, बूंद -बूंद सिंचाई (ड्रिप इरीगेशन) के उपकरण प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त सुनिश्चित सिंचाई के माध्यम से उचित फसल प्रबंधन एवं जल संचयन/प्रबंधन विधियों आदि के बारे में प्रशिक्षण भी प्राप्त कर सकते हैं।

- **इस योजना का लाभ लेने के लिए किससे संपर्क करें ?**

  किसान अपने खेत एवं क्षेत्र की आवश्यकताओं को ग्राम पंचायत के माध्यम से सम्बन्धित ब्लॉक एवं जिला सिंचाई योजना में सम्मिलित करवा कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इसके बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने जिले/ब्लॉक के कृषि अधिकारी से संपर्क करें या किसान कॉल सेंटर (टॉल फ्री नं. 1800-180-1551) से जानकारी प्राप्त करें।

दीदी की डायरी

मैं मीना देवी पति श्याम लाल गुप्ता, ग्राम-जयपुर, पोस्ट-हाट गम्हारिया, जिला-पश्चिमी सिंहभूम (झारखण्ड)। मैंने शादी के बाद अपनी जिंदगी मुश्किल हालत में गुजारी, मेरे तीन बच्चे हैं। बड़ी बेटी का शादी किसी तरह कर दी। मेरा एक बेटा है और एक बेटी कॉलेज में पढ़ते हैं। जिसके लिए पैसों की जरूरत होती है। मेरे पति छोटा-मोटा मौसमी व्यवसाय करते हैं। जिससे घर का खर्चा किसी तरह निकल जाता है। 2015 में मेरे गांव जयपुर में जेएसएलपीएस के तरफ से आजीविका मिशन चलाने हेतु आईसीआरपी दीदी आयी, अपनी आपबीती सुनाई और एनआरएलएम की कार्यक्रम की जानकारी दी। फिर तीन दिनों के प्रशिक्षण में भी भाग लेकर समझी और पड़ोस की दीदियों के साथ मैं भी स्वयं सहायता समूह में जुड़ी। मेरे समूह का नाम जागृति महिला स्वयं सहायता समूह है। मैं समूह से छोटा ऋण चार बार ली और बड़ा ऋण दो बार ली। बच्चों की उच्च शिक्षा को पूर्ण करने के लिए मैंने गाय पालने का सोचा। अपने समूह से मैं ऋण ली लेकिन गाय खरीदने के लिए पैसे कम थे। मैं सोच में पड़ गई। तब मैं गांव की सक्रीय दीदी कमला के पास गई। उन्होंने अपने समूह से ऋण लेकर मुझे 15,000 रु॰ दी। फिर भी न हुआ तो उन्होंने दूसरी दीदी से भी पैसा दिलाया। मैंने गाय खरीदा और दो माह में दोनों दीदियों को दूध बेच कर पैसे वापस कर दिया। इन दिनों घर का खर्चा वगैरह करके हाथ में प्रतिदिन चार (400) सौ रुपये कम से कम बचत हो रहा है। गाय पालन से मैं खुश हूं। अगले वर्ष और गाय खरीदूंगी चूंकि इसमें आमदनी अच्छी होती है। मेरा सपना था बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाना यह सपना साकार हो पायेगा। इस कार्य में सहयोग देने के लिए सक्रिय महिला कमला दीदी को बहुत-बहुत धन्यवाद। मेरे आजीविका को स्थायी नींव देने के लिए जेएसएलपीएस की मैं आभारी रहूंगी।

झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी

(ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड सरकार)

तृतीय तल, शांतिदीप टावर, रेडीयम रोड, रांची- 834001

: 0651-2360053/2360391 jslps.ranchi@gmail.com www.jslps.org facebook.com/onlineJSLPS

झारखण्ड सरकार

संपादक : कुमार विकास, कार्यक्रम प्रबंधक-मीडिया एवं संचार । ई-मेल : kmc@jslps.in

(झारखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा स्वयं सहायता समूहों में आंतरिक वितरण के लिए)